B.A. 6th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : DSE-4

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् **Group-A**, **Group-B** इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमत: परीक्षार्थिभि: सावधानतया स्वपठित एक: विभाग: निश्चितरूपेण करणीय:। अत: प्रश्नपत्रनिर्देशानुसारेण प्रश्ना: समाधेया:।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-A** এবং **Group-B** এই দুটি বিভাগ আছে।

Group-A

Art of Balanced Living

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *दश* प्रश्ना: सुरगिरा देवनागरीलिपिं समाश्रित्य समाधेया:। 2×10=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখো।

(a) 'योग' शब्दस्य व्युत्पत्त्युल्लेखपूर्वकं पातञ्जलयोगसूत्रस्य प्रथमसूत्रं लिख्यताम्।
যোগ শব্দটির ব্যুৎপত্তি উল্লেখপূর্বক পাতঞ্জল যোগসূত্রের প্রথম সূত্রটি লেখো।

(b) पातञ्जलयोगसूत्रे यथाक्रमम् अध्याय: लिख्यन्ताम्।
পাতঞ্জলযোগসূত্রে ক্রমানুসারে অধ্যায়গুলির উল্লেখ করো।

(c) पातञ्जलयोगसूत्रदिशा कस्तावत् स्वाध्याय:?
পাতঞ্জলযোগসূত্রানুসারে স্বাধ্যায় কী?

(d) अभ्यास: कथं दृढो भवेत् पातञ्जलयोगसूत्रानुसारं लिखत।
যোগসূত্রানুসারে অভ্যাসকে কীভাবে দৃঢ় করা উচিত?

(e) 'ततो द्वन्द्वानभिघात:' - सूत्रेऽस्मिन् 'द्वन्द्व' शब्दस्य को अभिप्राय:?
'ততো দ্বন্দ্বানভিঘাতঃ' - সূত্রটিতে দ্বন্দ্ব শব্দের কী অভিপ্রায়?

(f) का खलु चित्तभूमि:?
চিত্তভূমি কী?

(g) योगाङ्गानि कति? क्रमानुपूर्वकं तेषां नामानि उल्लिख्यन्ताम्।
যোগাঙ্গ কয়টি? ক্রমানুসারে তাদের নামগুলি উল্লেখ করো।

(h) श्रीमद्भगवद्गीतायाः कतमः अध्यायः भवतां पाठ्ये वर्तते? तस्य नाम किम्?
श्रीमद্ভগবদ্গীতার কোন অধ্যায়টি তোমাদের পাঠ্য? উক্ত অধ্যায়টির নামোল্লেখ করো।

(i) जगति कर्महीनापेक्षया कर्मरतः जनः किमर्थं श्रेष्ठः?
জগতে কর্মহীন ব্যক্তির চেয়ে কর্মরতব্যক্তি কেন শ্রেষ্ঠ?

(j) यः ईश्वरेण प्रवर्तितं जगच्चक्रं नानुवर्तते तस्य किं भवति?
যে ব্যক্তি ঈশ্বরের দ্বারা প্রবর্তিত জগৎচক্রকে অনুসরণ করে না তার ফল কী হয়?

(k) चौरशब्दस्य प्रतिशब्दः पठितांशानुरोधेन लिखत। शब्दस्यास्य कथने किं तात्पर्यम् अस्ति?
পাঠ্যাংশাবলম্বনে 'চৌর' শব্দের প্রতিশব্দটি লেখো। এই শব্দটির প্রয়োগের তাৎপর্য কী?

(l) यज्ञशिष्टाशिनः नाम किम्?
'যজ্ঞশিষ্টাশিনঃ' বলতে কী বোঝো?

(m) जनकादयः धीमन्तः कथं संसिद्धिम् आप्नुवन्?
জনক প্রভৃতি জ্ঞানিগণ কীভাবে সিদ্ধিলাভ করেছিলেন?

(n) यज्ञकर्म कथम् अन्नोत्पादने सहयोगं करोति?
যজ্ঞকর্ম কীভাবে অন্নোৎপাদনে সাহায্য করে?

2. अधोनिर्दिष्टेषु यथाकामं प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम्। तेषु प्रश्नद्वयं संस्कृतभाषया प्रदेयम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) बङ्गभाषया अनूद्यताम् :
বঙ্গানুবাদ করো ঃ

एवं प्रवर्तितं चक्रं नानुवर्तयतीह यः।
अधायुरिन्द्रियारामो मोघं पार्थ स जीवति।।

(b) सुरगिरा व्याख्यायताम्।
সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

नियतं कुरू कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिध्येदकर्मणः।।

(c) वाह्याभ्यन्तरस्तम्भोवृत्तिः देशकालसंख्याभिः परिदृष्टो दीर्घसूक्ष्मः — व्याख्यायताम्।
বাহ্যাভ্যন্তরস্তম্ভোবৃত্তিঃ দেশকালসংখ্যাভিঃ পরিদৃষ্টো দীর্ঘসূক্ষ্মঃ — ব্যাখ্যা করো।

(d) 'ब्रह्म नित्यं यज्ञे प्रतिष्ठितम्' — निहितार्थं प्रतिपादयत।
'ব্রহ্ম নিত্যং যজ্ঞে প্রতিষ্ঠিতম্' — নিহিতার্থ প্রকাশ করো।

(e) वैराग्यस्य स्वरूपं समासेन लिखत।
সংক্ষিপ্তভাবে বৈরাগ্যের স্বরূপ নির্ণয় করো।

(f) मनसः संयमे यमस्य का आवश्यकता वर्तते?
মনের সংযমে 'যম'-এর ভূমিকা কী?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यत् किञ्चन *प्रश्नद्वयं* समाधेयम् : 10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नगुलির মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) कतिविधाः वृत्तयः? सभेदं विशदीक्रियताम्।
বৃত্তি কয়প্রকার? ভেদগুলির বিশেষভাবে আলোচনা করো।

(b) समाधिः कतिविधः? तेषां नामानि उल्लिख्य विशद्यन्ताम्।
সমাধি কতপ্রকার? তাঁদের নামোল্লেখ করে বর্ণনা করো।

(c) श्रीमद्भगवद्गीतायां कर्मणः यत् स्वरूपं प्रतिपादितं तत् सविस्तरम् आलोच्यताम्।
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতায় কর্মের যে স্বরূপটি বর্ণিত হয়েছে সেটি বিস্তৃতভাবে আলোচনা করো।

(d) पठितांशानुरोधेन यज्ञतत्त्वं प्रतिपाद्यताम्।
পাঠ্যক্রমানুসারে যজ্ঞতত্ত্ব প্রতিপাদন করো।

Group-B
(Indian System of Logic)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दशप्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या लिख्यताम्। 2×10=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্ন সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখো ঃ

(a) अनुमानं किम्?
অনুমান কী?

(b) पक्षधर्मता का भवति?
পক্ষধর্মতা কী?

(c) स्वार्थानुमानं किम्?
স্বার্থানুমান কী?

(d) किं च प्रतिज्ञावाक्यम्?
প্রতিজ্ঞাবাক্য কী?

(e) किं तावत् उदाहरणम्?
উদাহরণ কী?

(f) उपनयः को भवति?
উপনয় কী?

(g) निगमनं किम्?
নিগমন কী?

(h) सव्यभिचारहेत्वाभासस्य लक्षणं किम्?
সব্যভিচারহেত্বাভাসের লক্ষণ কী?

(i) अनुपोसंहारिणः लक्षणं किम्?
অনুপোসংহারী লক্ষণ কী?

(j) विरुद्धहेत्वाभासस्य लक्षणं किम्?
বিরুদ্ধহেত্বাভাসের লক্ষণ কী?

(k) उपमितिपदार्थः को भवति?
উপমিতি পদার্থ কী?

(l) स्वार्थानुमानस्य संज्ञां निरूपयत।
স্বার্থানুমানের সংজ্ঞা নিরূপণ করো।

(m) तर्कलक्षणं प्रतिपादयत।
তর্কের লক্ষণ দাও।

(n) तर्कसंग्रहस्य ग्रन्थकारः कः? षड्दर्शनेषु तर्कसंग्रहः किं दर्शनमुपगच्छति?
তর্কসংগ্রহের গ্রন্থকার কে? ষড়্দর্শনের মধ্যে তর্কসংগ্রহ কোন দর্শনকে অনুসরণ করে?

2. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) सन्दिग्धसाध्यवान् पक्षः — व्याख्यायताम्।
সন্দিগ্ধসাধ্যবান্ পক্ষঃ — ব্যাখ্যা করো।

(b) लिङ्गं त्रिविधम् अन्वयव्यतिरेकि-केवलान्वयि-केवलव्यतिरेकि चेति — व्याख्यायताम्।
লিঙ্গং ত্রিবিধম্ অন্বয়ব্যতিরেকি-কেবলান্বয়ি-কেবলব্যতিরেকি চেতি — ব্যাখ্যা করো।

(c) यत्तु स्वयं धूमादग्निमनुमाय - परं प्रतिबोधयितुं पञ्चावयववाक्यं प्रयुज्यते तत् परार्थानुमानम् — विचार्यताम्।
যত্তু স্বয়ং ধূমাদগ্নিমনুমায় - পরং প্রতিবোধয়িতুং পঞ্চাবয়ববাক্যং প্রযুজ্যতে তত্ পরার্থানুমানম্ — বিচার করো।

(d) परामर्शजन्यं ज्ञानम् अनुमितिः — प्रतिपाद्यताम्।
পরামর্শজন্যং জ্ঞানম্ অনুমিতিঃ — প্রতিপাদন করো।

(e) तर्कसंग्रहोक्तदिशा करणं किं निगद्यताम्।
তর্কসংগ্রহ অনুসারে করণ কী আলোচনা করো।

(f) निश्चितसाध्याभाववान् विपक्षः — सोदाहरणं प्रतिपाद्यताम्।
নিশ্চিতসাধ্যাভাববান্ বিপক্ষঃ — উদাহরণসহযোগে প্রতিপাদন করো।

3. अधोलिखितेषु *प्रश्नद्वयं* समाधेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) अन्नंभट्टोक्तदिशा व्याप्तेः स्वरूपं निरूप्यताम्।
অন্নংভট্টকে অনুসরণ করে ব্যাপ্তির স্বরূপ নিরূপণ করো।

(b) कस्तावत् हेत्वाभासः? तेषु कयोश्चित् द्वयोः सविशदं वर्ण्यताम्।
হেত্বাভাস বলতে কী বোঝো? যে কোনো দুটি হেত্বাভাসকে বিশদে আলোচনা করো।

(c) व्याप्तिविशिष्ट-पक्षधर्मताज्ञानं परामर्शः — व्याख्या करणीया।
ব্যাপ্তিবিশিষ্ট-পক্ষধর্মতাজ্ঞানং পরামর্শঃ — ব্যাখ্যা করো।